2. Some of the important reasons for low output for manshift in Indian coal mines are as under :—

(i) Majority of the underground mines are worked mannually.

(ii) Many underground mines are having geo-mining problems like steep and multiple seams, occurrance of fires and water logged old workings in adjoining areas, builtup surface structures which need protection by sand stowing etc. requiring employment of sizeable workforce for dealing with such unproductive activities.

(iii) High rate of absenteeism.

(iv) Coal companies are required to provide supporting services for workshops, ware-houses and also municipal services like hospitals, water supply, colony maintenance etc. through departmental workforce, which gets added to the total manpower for computation of output permanshift lowering the overall productivity figures.

(v) Power shortage and frequent interruptions in power supply in eastern region.

अवैध रूप से कोयला खनन के मामले

3840. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में विगत दो वर्षों के दौरान अवैध रूप से कोयला खनन के कितने मामले सरकार की जानकारी में आए हैं;

(ख) उनका राज्यवार, ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार ने इस संबंध में क्या कार्यवाही की है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) से (ग) इस संबंध में सूचना एकत्रित की जा रही है और यथासंभव उपलब्ध होते ही सभा-पटल पर रख दिया जाएगा ।

कोयला उत्पादन में वृद्धि हेतु आधुनिकतम तकनीकों का प्रयोग

3841. **श्री वीरेन जे. शाह** :

श्री राम जेठमलानी :

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा देश में कोयले के उत्पादन में वृद्धि करने हेतु वर्ष 1970 से 1995 के दौरान 1,600 करोड़ रुपये की राशि व्यय करने का निर्णय किया गया है;

(ख) यदि हां, तो उन परियोजनाओं की रूपरेखा क्या है जिन पर उक्त राशि व्यय की जायेगी;

(ग) क्या सरकार ने देश में कोयला उत्पादन में वृद्धि करने हेतु विदेशों में प्रयुक्त हो रही आधुनिकतम तकनीक का प्रयोग करने का निर्णय किया है, और

(घ) यदि हां, तो उक्त तकनीक का प्रयोग इस समय किस-किस देश में सफलतापूर्वक किया जा रहा है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) और (ख) कोल इंडिया लिमिटेड तथा सिंगरेनी कॉलियरीज कंपनी लि. के लिए आठवीं योजना (1992-93 से 1996-97) के लिए 1991-92 की कीमतों पर योजना परिव्यय क्रमशः 8520.00 करोड़ रु. तथा 1850.00 करोड़ रु. की राशि का नियत किया गया है । विद्यमान खानों तथा चालू परियोजनाओं के अलावा, आठवीं योजना अवधि के दौरान विकास के लिए 108 नई कोयला खनन परियोजनाओं को विनिर्दिष्ट किया गया है । आठवीं योजना के दौरान विकास हेतु विनिर्दिष्ट इन नई परियोजनाओं की सूची विवरण में दी गई है **(नीचे देखिये)** इनमें से कुछ परियोजनाओं की स्वीकृति चालू वर्ष में दी गई है, किन्तु अधिकांश परियोजनाओं की तकनीकी-आर्थिक दृष्टि से समीक्षा की जानी है तथा अभी उन्हें स्वीकृति नहीं दी गई है ।

(ग) और (घ) जी, हां । कोयला उत्पादन में संवृद्धि के लिए उन्नत देशों में सफलतापूर्वक इस्तेमाल की जाने वाली खनन तकनीकों की आरम्भ किए जाने के लिए इन देशों से सहायता मांगी गई है ।